A report on Rashtrakavi Maithili Sharan Gupt Digital Library at GSV Central Library, CSJMU Kanpur
(From Collaboration to Academic Excellence)

The *Maithili Sharan Gupt Digital Library* has been established at the GSV Central Library through the signing of an *MoU* between *Goldie Masaale* and the *Central Library* of Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University (CSJMU), Kanpur on 16th July 2026, marking a significant step towards enriching and strengthening the university's academic ecosystem. This initiative is dedicated to the cherished memory of *Late Shri Lala Ramchandra Gupta Ji*, whose vision, values, and contributions continue to inspire meaningful efforts in the fields of education and knowledge.

Adding further significance to the occasion was the gracious presence of *Shri Surendra Gupta Ji, Founder and Chairman of Goldie Masaale*, reflecting a shared commitment towards education, digital accessibility, and academic excellence. During his visit, Shri Surendra Gupta Ji congratulated the Central Library team for adopting the latest technologies and digital solutions to enrich the academic environment. He appreciated the University and Central Library's vision of transforming the library into a dynamic hub of knowledge, innovation, collaboration, and academic excellence.

As part of this special initiative, a modern digital library with a capacity of 50 users has been established, along with technological resources such as video conferencing facilities, computers, tables, chairs, and other essential infrastructure. The concept of the Rashtrakavi Maithili Sharan Gupt Digital Library has also been incorporated as an extension of this digital knowledge centre, contributing to its cultural and academic enrichment. It will play an important role in taking literature and the Indian knowledge tradition to the younger generation.

This collaboration will contribute to creating a richer, technology-enabled, and learner-centric library environment, providing students, researchers, and teachers with improved access to knowledge resources and modern learning facilities.

Media Coverage

हिन्दुस्तान

सीएसजेएमयू के कार्यक्रम में मौजूद विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना व अन्य।

विश्वगुरु बनना है तो करें फूहड़ता का त्यागः महाना

कानपुर, प्रमुख संवाददाता। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि 2047 का भारत बहुत खास होगा। जिसमें आज के युवाओं की मेहनत की खुशबू और मेहनत होगी। ऐसे बच्चे उस वक्त राज करेंगे, जिनका वर्तमान और कल दोनों मजबूत होगा। देश को विश्वगुरु बनाना है तो फूहड़ता का त्याग करना होगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रकवि मैथिली शरण गुप्त के गीत राष्ट्रीय आंदोलन में जोश भरने का काम करते थे। वहीं, दानवीर भामाशाह की भी याद किया।

सीएसजेएमयू और अखिल भारतीय सर्व वैश्य महापरिषद की ओर से रविवार को रानी लक्ष्मीबाई प्रेक्षागार में दानवीर भामाशाह एवं राष्ट्रकवि मैथिलीशरण स्मरण दिवस पर एक शाम राष्ट्र के नाम कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, विवि के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक, सुरेंद्र गुप्ता (गोल्डी मसाले) ने किया। कार्यक्रम की वंदे मातरम गायन के साथ हुआ। कार्यक्रम में 600 से अधिक बच्चों की मेधावी प्रतिभा के लिए सम्मानित किया गया। कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने कहा कि वर्तमान में हम सब लोगों को मिलकर राष्ट्र में शिक्षा एवं युवा पीढ़ी के ज्ञान संवर्धन के लिए कार्य करना है। सुरेंद्र गुप्ता ने कहा कि पिता लाला रामचंद्र गुप्ता ने गोल्डी समूह की स्थापना की थी, जो बीज उन्होंने लगाया था वह बड़े बरगद के रूप में बदल गया है। सर्व वैश्य महापरिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा कि समाज के युवाओं को महिलाओं को राजनीति में अपने भागीदारी सशक्त करनी चाहिए। इस मौके पर एमएलसी सलिल विश्नोई, विश्वनाथ गुप्ता, रमेश गुप्ता, अरुण गुप्ता, डॉ. उमेश पालीवाल, मनोज सेंगर, शुभांक गुप्ता, डॉ. श्यामबाबू गुप्ता, डॉ. उमशंकर गुप्ता आदि मौजूद रहे।

- सीएसजेएमयू में एक शाम राष्ट्र के नाम कार्यक्रम का आयोजन
- 600 से अधिक मेधावी बच्चों को सम्मानित भी किया गया

सीएसजेएमयू की लाइब्रेरी में डिजिटल सेवाएं

जागरण संवाददाता, कानपुर : छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) में विद्यार्थियों और शोधार्थियों को आधुनिक शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में पहल की गई है। इसके लिए गोल्डी मसाले और गणेश शंकर सेंट्रल लाइब्रेरी के बीच समझौता हुआ है। इसके तहत केंद्रीय पुस्तकालय में डिजिटल सुविधाओं का उन्नयन और विस्तार किया जाएगा। यह एमओयू सीएसजेएमयू के रानी लक्ष्मीबाई सभागार में अखिल भारतीय सर्व वैश्य महापरिषद एवं विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में दानवीर भामाशाह एवं राष्ट्रकवि मैथिलीशरण स्मरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान हुआ।

लाल रामचन्द्र गुप्ता ● प्रबंधन

सीएसजेएमयू में राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त डिजिटल लाइब्रेरी का शुभारंभ विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने किया। साथ में कुलपति प्रो.विनय कुमार पाठक, गोल्डी समूह के प्रबंध निदेशक सुरेंद्र गुप्ता व संजय गुप्ता ● जागरण

एमओयू पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक और गोल्डी मसाले के प्रबंध निदेशक सुरेंद्र गुप्ता ने हस्ताक्षर किया।

गोल्डी मसाले के संस्थापक स्व. लाला रामचंद्र गुप्ता की स्मृति में की गई इस पहल के तहत विश्वविद्यालय को 50 विद्यार्थियों के एक साथ बैठने की क्षमता वाली डिजिटल लाइब्रेरी, वीडियो कांफ्रेंसिंग सुविधा, कंप्यूटर, मेज-कुर्सियां और अन्य तकनीकी संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं। गोल्डी मसाले समूह के प्रबंध निदेशक सुरेंद्र गुप्ता ने कहा कि शिक्षा और गुणवत्तापूर्ण ज्ञान संसाधनों की डिजिटल पहुंच बढ़ाना सहयोग का प्रमुख उद्देश्य है। मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए समाज को फूहड़पन छोड़कर संस्कृति, संस्कार, समर्पण और सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ना होगा।

मेहनत करने का रास्ता चुनौतीपूर्ण

विवि में आयोजित कार्यक्रम में बोले महाना, अभिभावकों से कहा-बच्चों ने सुनना नहीं आप लोगों ने सुनाना छोड़ा

विश्वविद्यालय में कार्यक्रम पर डांस प्रस्तुत करती युवतियां। संवाद

डिजिटल लाइब्रेरी के उद्घाटन पर विस अध्यक्ष सतीश महाना, कुलपति विनय पाठक। संवाद

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। 2047 का भारत बेहद खास रहेगा, उसमें आज के युवाओं की मेहनत की खुशबू होगी। ऐसे बच्चे उस वक्त राज करेंगे जिनका वर्तमान और कल दोनों मजबूत होगा। विश्वगुरु बनना हो तो फूहड़ता छोड़ें। यह बात अखिल विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने छात्र-छात्राओं से कही। वह रविवार को भारतीय सर्व वैश्य महापरिषद और सीएसजेएमयू की ओर से दानवीर भामाशाह एवं राष्ट्रकवि मैथिलीशरण स्मरण दिवस पर आयोजित एक शाम राष्ट्र के नाम कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थें। उन्होंने कहा कि मेहनत करने का रास्ता चुनौतीपूर्ण है। एक मदारी डमरू बजा लोगों को बंदर का नाच देखने के लिए आसानी से एकत्र कर लेता है। कुछ लोग ऐसे ही डमरू बजाकर युवाओं को नचाने का काम कर रहे हैं। अभिभावक कहते हैं कि बच्चे सुनते नहीं हैं। मैं कहता हूं कि आपने सुनाना ही बंद कर दिया है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद सभी वर्गों के 600 से अधिक छात्रों को मेधावी प्रतिभा के लिए सम्मानित किया गया। अखिल भारतीय सर्व वैश्य महापरिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय गुप्ता, कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक, सुरेंद्र गुप्ता सलिल बिनोई, विश्वनाथ गुप्ता, रमेश गुप्ता, अरुण गुप्ता आदि रहे।

विवि की सेंट्रल लाइब्रेरी बनेगी और आधुनिक

गोल्डी मसाले और सीएसजेएमयू सेंट्रल लाइब्रेरी के बीच हुआ करार

कानपुर। सीएसजेएमयू की गणेश शंकर सेंट्रल लाइब्रेरी तकनीकी रूप से मजबूत और आधुनिक बनेगी। यहां वीडियो कांफ्रेंसिंग की सुविधा होगी, जबकि लाइब्रेरी को डिजिटल किया जाएगा। इसके लिए गोल्डी मसाले और गणेश शंकर सेंट्रल लाइब्रेरी के पदाधिकारियों बीच एमओयू साइन हुआ है।

यह पहल गोल्डी मसाले के संस्थापक स्वर्गीय लाला रामचंद्र गुप्ता की स्मृति को समर्पित की गई। गोल्डी मसाले के संस्थापक एवं चेयरमैन सुरेंद्र गुप्ता ने शिक्षा, डिजिटल पहुंच और गुणवत्तापूर्ण ज्ञान संसाधनों को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता दोहराई। विवि को 50 उपयोगकर्ताओं की क्षमता वाली आधुनिक डिजिटल लाइब्रेरी, वीडियो कांफ्रेंसिंग सुविधा, कंप्यूटर, टेबल, कुर्सियां और अन्य तकनीकी संसाधन उपलब्ध कराए गए। यह लाइब्रेरी राष्ट्रकवि मैथलीशरण गुप्त के साहित्य से जुड़ेगी (ब्यूरो)

सीएसजेएमयू के कार्यक्रम में मौजूद विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना व अन्य।

हिन्दुस्तान

सीएसजेएमयू में हाईटेक लाइब्रेरी के लिए एमओयू साइन करते अधिकारी।

हाईटेक डिजिटल लाइब्रेरी का मिलेगा छात्रों को लाभ

सौगात

कानपुर, प्रमुख संवाददाता। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) के शैक्षणिक वातावरण को तकनीक-सक्षम और ज्ञान-केंद्रित बनाने को लेकर गोल्डी मसाले और गणेश शंकर सेंट्रल लाइब्रेरी के बीच एमओयू हुआ है, जिसके तहत डिजिटल लाइब्रेरी के उन्नयन एवं सुदृढ़ीकरण का काम किया जाएगा। यह पहल गोल्डी मसाले के संस्थापक स्व. लाला रामचंद्र गुप्ता की स्मृति को समर्पित है, जिनके शिक्षा और सामाजिक विकास के प्रति योगदान को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया है।

कार्यक्रम में गोल्डी मसाले के संस्थापक एवं चेयरमैन सुरेंद्र गुप्ता ने कहा कि शिक्षा, डिजिटल पहुंच और गुणवत्तापूर्ण ज्ञान संसाधनों को बढ़ावा देने का काम करना है। इस सहयोग के तहत विवि को 50 उपयोगकर्ताओं की क्षमता वाली आधुनिक डिजिटल लाइब्रेरी, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा, कंप्यूटर, टेबल, कुर्सियां तथा अन्य तकनीकी संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं। साथ ही राष्ट्रकवि मैथिली शरण गुप्त डिजिटल लाइब्रेरी की अवधारणा को भी इस ज्ञान केंद्र से जोड़ा गया है। इससे भारतीय साहित्य, संस्कृति और ज्ञान परंपरा को नई पीढ़ी तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सकेगा। यह पहल छात्रों, शोधार्थियों और शिक्षकों को आधुनिक शैक्षणिक संसाधनों तक बेहतर पहुंच प्रदान करते हुए विवि की अकादमिक गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

Hindustan